सतर्कवाणी
SATARKVANI

संस्करण 10/(Version 10)

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
मिनीरत्न श्रेणी–I, सीपीएसई, भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन
16वीं मंजिल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली–110001

BEING VIGILANT ALWAYS IS EVERY OFFICIAL'S RESPONSIBILITY

सतर्कता जागरूकता सप्ताह / Vigilance Awareness Week

(28.10.2024 – 03.11.2024)

विषय / Theme:

'सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि'

'Culture of Integrity for Nation's Prosperity'

संरक्षक

- श्री विनय कुमार सिंह, मुख्य सतर्कता अधिकारी

मुख्य संपादक

- श्री पार्थ प्रतिम दास, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी

संपादक

- श्री अमिताभ शाह, संयुक्त महाप्रबंधक (सतर्कता)

डिज़ाइनर एवं संकलनकर्ता

- श्रीमती समप्रीत कौर, वरिष्ठ कार्यालय सहायक (सतर्कता)

पत्रिका में प्रकाशित रचानाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के निजी विचार हैं। रचना की मौलिकता और अन्य किसी विवाद के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे।

विषय सूची

क्र सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक का संदेश	5
3	मुख्य सतर्कता अधिकारी का संदेश	7
4	लेख – मैराथन– एक सत्यकथा *– श्री श्रीपद वाजपे*	9
5	लेख – सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समद्धि *– श्री अमिताभ शाह*	11
6	सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 में निगम मुख्यालय द्वारा कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं की झलकियां	14
7	लेख –सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समद्धिः भौतिकी के नियमों के समानांतर *– श्री बी. राजशेखर*	15
8	सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 में निगम मुख्यालय द्वारा विद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं की झलकियां	18
9	पीआईडीपीआई शिकायत कैसे दर्ज करें?	19
10	पुरस्कृत पोस्टर विजेताओं की झलकियां – सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023	22
11	लेख – सचेतनता की शक्ति *– श्री ई. एबर इमैनुएल*	23
12	पुरस्कृत निबंध विजेताओं की झलकियां – सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023	25

क्र सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
13	पुरस्कृत निबंध वर्ष 2023 – भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें *–श्री सचिन शर्मा*	26
14	लेख – कर्मचारी एवं सत्यनिष्ठा *– श्री आशीष कुमार खरे*	29
15	भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक	30
16	लेख – टीम वर्क की महत्वत्ता *– श्री अमन गुप्ता*	31
17	सतर्कता जागरूकता	34
18	लेख – स्मारक सिक्के *– श्री जय कावरे*	35
19	सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 की झलकियां	39
20	क) निगम मुख्यालय	40
21	ख) भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिक	41
22	ग) चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नाशिक	42
23	घ) बैंक नोट मुद्रणालय, देवास	43
24	ङ) प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद	44
25	च) प्रतिभूति कागज़ कारखाना, नर्मदापुरम	45
26	छ) भारत सरकार टकसाल, कोलकाता	46
27	ज) भारत सरकार टकसाल, मुबंई	47
28	झ) भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद	48

क्र सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
29	ञ) भारत सरकार टकसाल, नोएडा	49
30	सतर्कता जागरूकता के जवाब	50
31	लेख – भ्रष्टाचार की कहानी *–श्रीमती समप्रीत कौर*	51
32	सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 के दौरान की गई बाहरी गतिविधियां	55
40	सतर्कता विभाग से प्रत्यावर्तन	59
41	सतर्कता विभाग में नई प्रविष्टियां	61
42	सतर्कता विभाग की दूरभाष पुस्तिका	62

*****

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 की पोस्टरस् की झलकियां

Take the

INTEGRITY PLEDGE

Follow the link https://pledge.cvc.nic.in

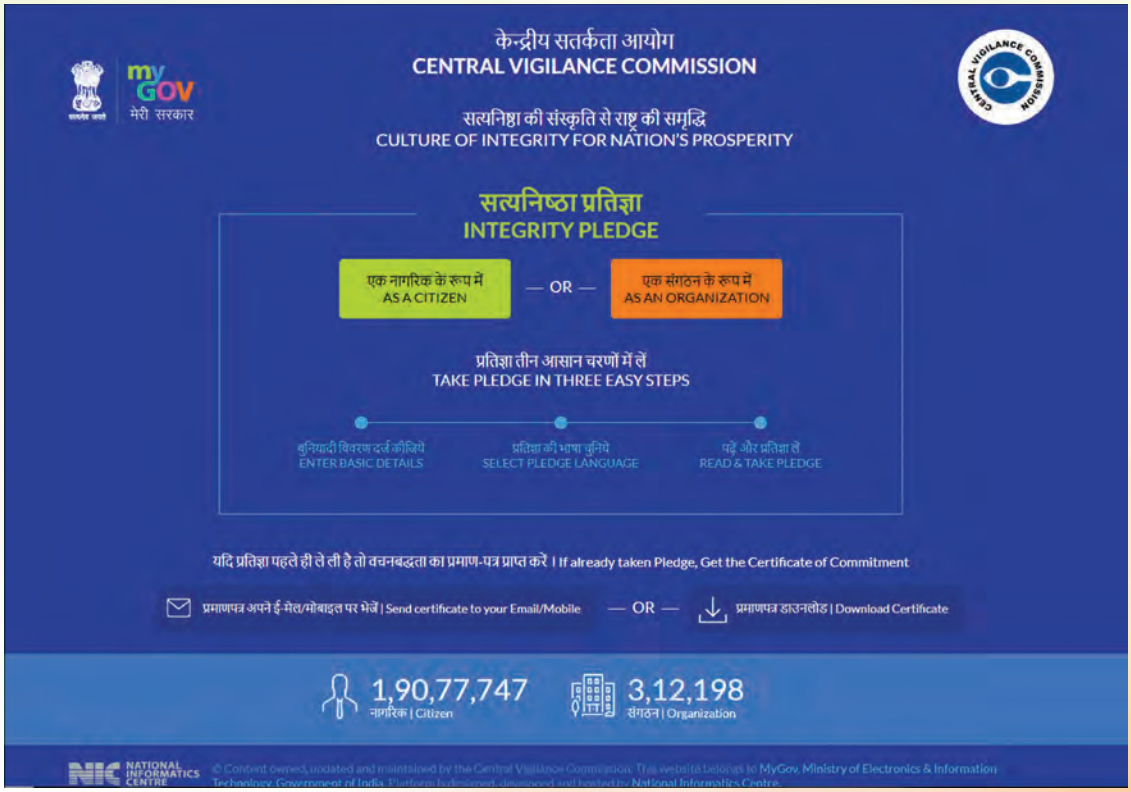

अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक का संदेश

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
मिनिरत्न श्रेणी-I, सीपीएसई
(भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन)
Security Printing and Minting Corporation of India Limited
Miniratna Category-I, CPSE
(Wholly owned by Government of India)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Chairman & Managing Director

संदेश

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार, भा.प्र.मु.मु.नि.नि.लि. में 'सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि' विषय के साथ दिनांक 28.10.2024 से 03.11.2024 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह का अनुपालन किया जा रहा है।

भा.प्र.मु.मु.नि.नि.लि. पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है तथा आदिष्णुता की नीति के कार्यान्वयन हेतु पूर्ण रुप से प्रतिबद्ध है।

मुझे यह जानकार अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि आयोग के निर्देशों के अनुपालन में, विद्यालय, कॉलेजों तथा कार्यालय में भी विभिन्न गतिविधियां जैसे व्याख्यान, कार्यशाला, विक्रेता बैठक, निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, इत्यादि का आयोजन किया जा रहा है जिससे हितकारियों के बीच सतर्कता और जागरूकता पैदा होती है। सप्ताह के दौरान सतर्कता विभाग की वार्षिक ई-पत्रिका "सतर्कवाणी" के 10वें संस्करण को जारी किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि पिछले संस्करणों से इस संगठन में निश्चित रुप से जागरुकता बढ़ी होगी तथा सभी कार्यपालक/कर्मचारी सतर्कता की नवीनतम नीतियों और निर्देशों के प्रति अवगत हुए होंगे।

मैं मुख्य सतर्कता अधिकारी और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना करता हूँ तथा इस सप्ताह के दौरान आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

(विजय रंजन सिंह)

16वीं मंजिल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली – 110001
16th Floor, Jawahar Vyapar Bhawan, Janpath, New Delhi - 110001
फोन./Tel.: +91-11-23701220, 43582220 फैक्स/Fax : +91-11-43582276
ई-मेल/E-mail : cmd@spmcil.com वैब./Web.: www.spmcil.com
CIN : U22213DL2006GOI144763

हिंदी आसान है, इसका प्रयोग बढ़ाइए

हैदराबाद
VIGILANCE AWARENESS WEEK

मुख्य सतर्कता अधिकारी का संदेश

विनय कुमार सिंह, भा.रा.से.
Vinay K. Singh, I.R.S.
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Chief Vigilance Officer

सत्यमेव जयते

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
(वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
Security Printing and Minting Corporation of India Ltd.
(Under Ministry of Finance, Govt. of India)

संदेश

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार, भा.प्र.मु.मु.नि.नि.लि. में 'सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि' विषय के साथ दिनांक 28.10.2024 से 03.11.2024 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें सभी हितधारक भ्रष्टाचार को सार्वजनिक जीवन से निर्मूल करने का संकल्प लेते हैं। जनसंपर्क में पारदर्शिता भ्रष्टाचार निवारण का एक महत्वपूर्ण उपाय है। इसलिए यह आवश्यक है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में अपने कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएँ ।

इस वर्ष सतर्कता जागरुकता सप्ताह का मुख्य केंद्र बाहरी गतिविधियों पर रहेगा। विभिन्न विद्यालयों एवं कॉलेजों में कार्यक्रम करवाए जा रहे हैं। इकाइयों में सतर्कता रैली का भी आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों जैसे विक्रेता बैठक, व्याख्यान, कार्यशालाओं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, इत्यादि का आयोजन किया जाएगा। इस उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष की भांति सतर्कता विभाग की वार्षिक ई-पत्रिका "सतर्कवाणी" के 10वें संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि निगम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सतर्कता के साथ पूर्ण पारदर्शिता कायम रखते हुए अपने विश्वास के प्रतिबिंब को सर्वदा बनाए रखेंगे और कार्यालय के प्रत्येक कार्य में प्रणालीगत सुधार लाएँगें।

उपरोक्त के अलावा, भा.प्र.मु.मु.नि.नि.लि. के कर्मचारियों से सतर्कता विभाग के कार्यक्षेत्र में मूल्यवर्धक सुझाव आमंत्रित है जो भा.प्र.मु.मु.नि.नि.लि. में पारदर्शिता तथा व्यवस्था में सुधार लाने में सहायक हों।

सादर,

(विनय कुमार सिंह)

16 वीं मंजिल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली - 110 001
16th Floor, Jawahar Vyapar Bhawan, Janpath, New Delhi-110 001
फोन / Tel. : 91-11-43582260 फैक्स / Fax : 91-11-43582202, ई-मेल / E-mail : cvo@spmcil.com
वैब / Web : www.spmcil.com
CIN : U22213DL2006GOI144763

नागरिकों के लिए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा

मेरा विश्वास है कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। मेरा विश्वास है कि भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिल कर कार्य करने की आवश्यकता है।

मेरा मानना है कि प्रत्येक नागरिक को सतर्क होना चाहिए तथा उसे सदैव ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष में साथ देना चाहिए।

अतः मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि :

- जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करुंगा;
- ना तो रिश्वत लूंगा और ना ही रिश्वत दूंगा;
- सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्शी रीति से करुंगा;
- जनहित में कार्य करुंगा;
- अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करुंगा;
- भष्ट्राचार की किसी भी घटना की रिपोर्ट उचित एजेन्सी को दूंगा।

Take the

INTEGRITY PLEDGE

Follow the link https://pledge.cvc.nic.in

Integrity Pledge for citizens

I believe that corruption has been one of the major obstacles to economic, political and social progress of our country. I believe that all stakeholders such as Government, citizens and private sector need to work together to eradicate corruption.

I realize that every citizen should be vigilant and commit to highest standards of honesty and integrity at all times and support the fight against corruption.

I, therefore, pledge:

- ❑ To follow probity and rule of law in all walks of life;
- ❑ To neither take nor offer bribe;
- ❑ To perform all tasks in an honest and transparent manner;
- ❑ To act in public interest;
- ❑ To lead by example exhibiting integrity in personal behavior;
- ❑ To report any incident of corruption to the appropriate agency.

श्री श्रीपद वाजपे

महाप्रबंधक (तकनीकी) एवं विभागाध्यक्ष
प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद

मैराथन– एक सत्यकथा

वह अस्पताल के धुंधली रोशनीवाले एक कमरे के कोने में पड़े एक बेंच पर चिंतातुर अवस्था में बैठी थी। 65 वर्षीय अधेड़ औरत, नाम था लता ...

रात बहुत हो चुकी थी। वह फिर से अखबार के कागज में लिपटे नोटों का बंडल खोलती है और पैसे गिनती रहती है लेकिन किसी भी तरह यह आंकड़ा 2000 रुपये से अधिक पार नहीं कर पाता है। अनजाने में वह अपनी गर्दन पर हाथ फिराती है और फिर दोनों कानों को स्पर्श करती है और फिर गणना करती है, इस बार नकदी, गर्दन में लटका हुआ मंगलसूत्र और कान में लगे झुमकें कुल मिलाकर राशि लगभग 25000 रुपये हो जाती है। कितना है और कितना आवश्यक है, इसके बीच में बहुत बड़ा अंतर है। वह यह सोचकर थक जाती है कि इस खाई को कैसे मिटाए और इसी सोच में उसकी आँख लग जाती हैं।

एम्बुलेंस के सायरन की आवाज से वह अचानक जागी। किसी के शव को एम्बुलेंस में डाल दिया जाता है और काला धुँवा छोड़ते हुए एम्बुलेंस अंधेरे में खो जाती है। एक कुत्ता कहीं दूर रो रहा होता है, उसकी वो रूडाली सुनके उसकी रूह कांप जाती है। वह आईसीयू के दरवाजे की ओर दौड़ती है और उससे जुड़े शीशे के माध्यम से झाँकती है। उसका पति मृत्यु के कगार पर बिस्तर पर लेटा हुआ था। एक पल के लिए, वह पांडुरंग का हाथ जोड़ती है और कहती है, "भगवान, मेरे पति को मेरी भी उम्र लग जाए! ऐसी प्रार्थना करते हुए रिसेप्शन काउंटर की ओर भागती है। फिर सामने खड़ी नर्स से पूछती है, "मैडम, इलाज पर कितना खर्च होने वाला है?

"देखो दादी, अगर सरकारी योजना से ऑपरेशन किया जाता है, तो कम से कम एक लाख से डेढ़ लाख रुपये खर्च होंगे और डॉक्टरों ने कहा है कि, अगर यह आपरेशन पंद्रह दिनों में किया जाता है, तो ठीक है अन्यथा...। वह अगली बात सुनने के लिए वहाँ नहीं रुकती और इस दुविधा में फंस जाती है कि इतनी बड़ी राशि कहां से लाई जाए।

एक निजी कंपनी से सेवानिवृत्त होकर, उनके पति की सारी जमापूँजी बाल–बच्चों की पढ़ाई लिखाई में और उनकी तीन बेटियों की शादी में खर्च हो गई थी, और उनके लिए अपने दामाद से मदद माँगना उनके स्वाभिमान को मान्य नहीं था। सब तरफ से फटे हुए आकाश को सिलाते हुए हतबल हुई वो, फिर से एक मंद दीपक के नीचे एक कोने की बेंच पर बैठती है, अखबार के कागज में लिपटे नोटों की पुड़िया खोलती है, और फिर से पैसे गिनने लग जाती है। अचानक उसकी नजर वर्तमान अखबार में लिखे विज्ञापन की ओर जाती है....

शरद मैराथन दौड़ः
प्रथम पुरस्कार–एक लाख रुपये नगद।

सुबह होते ही वो चल पड़ती है और पता ढूंढते हुए, वह प्रतियोगिता के आयोजक के कार्यालय में पहुँचती है और मैराथन प्रतियोगिता में भाग लेती है। प्रतियोगिता शुरू होती है, जिसमें शौक से भागने वाले, दस्ताने, जूते, टोपी, टी–शर्ट और बहुत कुछ पहनकर भागनेवाले थे। इन सबके बीच नौपरतों की साड़ी पहनकर वह नंगे पैर खड़ी थी। जी जान एक कर वो लहराते हुए झंडे को देखती हैं। कहीं सीटी बजती है, जैसे ही हरा झंडा नीचे गिरता है, वह हवा की गति से भागती है। अब उसके आँखों के सामने सिर्फ आईसीयू में पड़ा उसका पति, जो मौत के कगार पर है और उसके ऑपरेशन के लिए आवश्यक राशि दिखाई देती है। जैसे ही बंधा हुआ लाल रिबन छाती से टकराता है, वो होश में आती है और देखती है कि उसके पीछे कोई नहीं है और उसके सामने विजय मेहराब आतिशबाजी के साथ उसका स्वागत करती है।

उसने शरद मैराथन में पहला स्थान हासिल किया। इस अवसर पर वह कहती हैं कि "प्यार आपको ऐसी चीज़ें करने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिसके बारे में आप कभी कल्पना भी नहीं कर सकते हैं"। महाराष्ट्र के बुलढाणा ज़िले के मेंहकर तालुका में रहने वाले एक–दूसरे से बेतहाशा प्यार करने वाले लता करे और भगवान करे जोड़े की प्रेरक कहानी।

* * * * *

Sh. Amitabh Shah

Joint General Manager (Vigilance)
Corporate Office, SPMCIL
New Delhi

CULTURE OF INTEGRITY FOR NATION'S PROSPERITY

Integrity is the cornerstone of any prosperous nation. It refers to the quality of being honest, having strong moral principles, and consistently upholding ethical standards. When integrity is deeply embedded in the culture of a nation, it creates a foundation for trust, good governance, and sustainable development, ensuring long-term prosperity.

The Role of Integrity in Nation Building

At the heart of a nation's progress lies its governance, and for any government or institution to function effectively, integrity is essential. A culture of integrity builds trust between citizens and the government, making policies more effective and encouraging people to follow laws and regulations voluntarily. When leaders, public officials, and businesses act with integrity, they inspire confidence, attract investments, and promote social harmony.

Corruption, on the other hand, is the antithesis of integrity. It erodes the trust between people and institutions, drains public resources, and hinders social progress. A culture of integrity acts as a shield against corruption, fostering transparency, accountability, and fairness in public and private affairs.

Integrity in Education

Education plays a critical role in fostering a culture of integrity. By instilling ethical values from an early age, schools and educational institutions help nurture responsible citizens who value honesty, fairness, and accountability. When integrity becomes a core part of personal and professional development, individuals are more likely to act in the best interest of society, thereby contributing to the nation's prosperity.

Economic Growth and Integrity

Integrity is equally crucial in the economic sphere A culture of integrity in business ensures that there is fair competition, consumer protection, and a level playing field. Investors are more likely to invest in economies where governance is stable, and businesses operate with transparency, leading to sustainable economic growth.

Moreover, an integrity-driven economy reduces the cost of corruption, fraud, and unethical practices. When resources are used for their intended purposes, and not misappropriated, it strengthens public infrastructure, social services, and overall economic resilience.

A Collective Responsibility

Building a culture of integrity is not the responsibility of any single institution or individual; it requires collective effort from all segments of society. Citizens, businesses, government institutions, and civil society must work together to cultivate and uphold ethical behaviour. Laws and regulations can establish a framework for integrity, but it is the shared commitment to honesty and fairness that sustains it.

Conclusion

A culture of integrity lays the foundation for national prosperity. It promotes good governance, ensures fair economic practices, and fosters social harmony. When integrity is embraced by all sectors of society—government, businesses, and individuals alike—a nation thrives, and its people enjoy greater peace, stability, and progress. To achieve lasting prosperity, a nation's commitment to integrity must be unwavering, guiding its path toward a just and prosperous future.

* * * * *

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 के पोस्टर की झलकी

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 के दौरान
माता सुंदरी कॉलेज में आयोजित भाषण प्रतियोगिता के विजेता

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 के पोस्टर की झलकी

Sh.B. Rajashekar

Deputy General Manager (Vigilance)
Corporate Office, SPMCIL
New Delhi

Culture of Integrity for Nation's Prosperity: A Parallel with the Laws of Physics

The Central Vigilance Commission has decided to observe the Vigilance Awareness Week for the year 2024 on the theme "Culture of Integrity for Nation's Prosperity"/ "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि"।

The concept of integrity in society can be closely related to fundamental principles in physics, particularly the laws of motion and the conservation of energy. Just as these laws govern the physical universe, guiding the behavior of objects and forces, a culture of integrity guides the actions and interactions of individuals within a society, leading to a harmonious and prosperous nation.

1. Newton's Third Law and Social Integrity: Newton's Third Law of Motion also known as Law of Action and Reaction, states that "for every action, there is an equal and opposite reaction." In the context of social integrity, this law can be seen as a metaphor for the cause and effect relationship between integrity and societal outcomes. When individuals and institutions act with integrity, the reaction is one of trust, cooperation and stability within the society. Conversely, when integrity is compromised, the reaction can be one of distrust, conflict and societal decay.

For example, when a government official takes a bribe (a lack of integrity), the reaction is a loss of public trust, which weakens the very foundation of governance. On the other hand, when that same official upholds ethical standards, the reaction is an increase in public confidence and support, leading to a stronger, more resilient government.

2. Conservation of Energy and Ethical Consistency: The principle of the conservation of energy in physics states that energy can neither be created nor be destroyed, it may be transformed from one form to another. This principle can be applied to the concept of integrity, where the 'energy' is represented by ethical behavior and the values that guide actions.

In a society with a strong culture of integrity, ethical energy is conserved and transferred across generations, institutions and sectors. When leaders, educators and parents consistently demonstrate integrity, they pass on this 'energy' to others, creating a cycle of ethical behavior that sustains societal prosperity.

However, if integrity is not conserved, if ethical standards are not maintained; then this 'energy' dissipates, leading to corruption, inefficiency and ultimately, societal breakdown. Just as in physics, where energy loss leads to inefficiency and system degradation, the loss of integrity leads to inefficiencies in governance, business and social interactions, hindering the nation's prosperity.

3. Electric Circuits and the Flow of Integrity: In electrical circuits, the flow of current is analogous to the flow of integrity within a society. For an electrical circuit to function properly, there must be a continuous, unbroken path for the current to flow. Any break in the circuit, such as a short circuit or a disconnection, disrupts the flow and causes the system to fail.

Similarly in a society, the flow of integrity must be continuous and unbroken. Integrity must be upheld at all levels viz. individual, institutional and governmental, for the 'circuit' of society to function effectively. A break in integrity, whether through corruption, dishonesty or unethical behavior, disrupts the flow, leading to a breakdown in trust and efficiency.

Just as an electrical circuit requires a power source to drive the current, a society requires a strong ethical foundation to drive integrity. This ethical foundation is built through education, strong leadership and a commitment to transparency and accountability. When integrity flows smoothly, the entire system like an electrical circuit operates efficiently, powering the nation toward prosperity.

Conclusion: By drawing parallels between the laws of physics and the principles of integrity, we gain a deeper understanding of how critical integrity is to the functioning of a prosperous society. Just as the physical universe is governed by laws that ensure order and predictability, a nation's prosperity is governed by the laws of integrity, which ensure trust, cooperation and ethical governance. As we observe Vigilance Awareness Week, let us remember that maintaining a culture of integrity requires continuous effort, much like maintaining the order in a physical system. By doing so, we can ensure that our nation continues to thrive in a state of harmony and prosperity.

* * * * *

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 के दौरान
अटल आदर्श विद्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेता

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 के दौरान
अटल आदर्श विद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता

How to file a PIDPI Complaint?

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

Public Interest Disclosure and Protection of Informers Resolution 2004

PIDPI

What is a PIDPI Resolution ?

Any person can make complaint against corruption in Central Government offices without any fear

Identity of the Complainant is kept confidential and not disclosed to anyone

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

OR

CVOs of all Central Government Ministries are Designated Authority

Designated Authority to receive PIDPI Complaints

How to file a PIDPI Complaint?

PIDPI

To
The Secretary
Central Vigilance Commission
Satarkta Bhavan, Block – A
GPO Complex, INA, New Delhi -110023

The envelope should be clearly superscribed with **PIDPI**

It is not necessary to have name, address, e-mail or mobile number on any envelope on which PIDPI is written

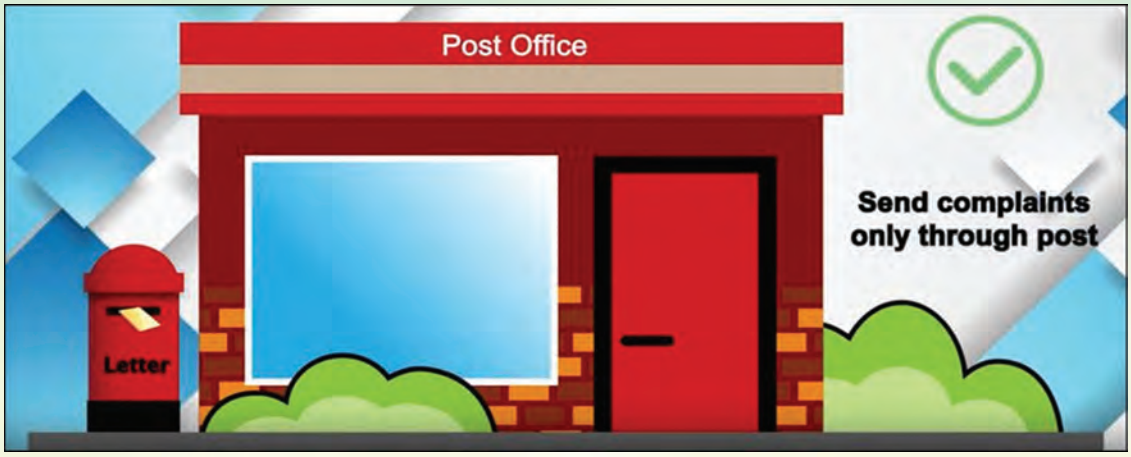

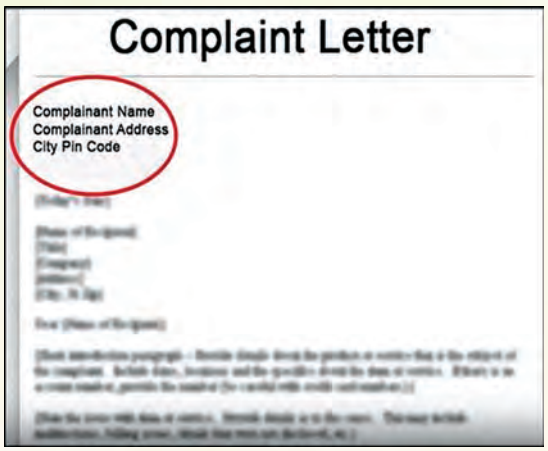

Mention your Name, Address and other contact details either on the top or bottom of the complaint letter, addressed to CVC so that same can easily be masked.

Confirmation of the PIDPI Complaint is being done by the Commission itself before forwarding the same for further Investigation to the organization concerned.

Important points to remember while filing PIDPI Complaints:

- Complaint can be made against any employee or any officer of the Central Government, Corporations established under a central act, Government companies, societies or local authorities.
- Don't address your PIDPI Complaint to any other authority either before or after filing the complaint. In these cases, your identity may be compromised.
- PIDPI Complaints should be filed only in corruption or vigilance related matters. Please do not file PIDPI Complaints for personal matters. Complaint should not be personally related to the complainant as it may reveal the identity of the complainant.

You may know:

- PIDPI Complaints are dealt by Confidential Cell of CVC.
- No one even in the Commission will know of the identity of the complainant. The complaint is masked at initial stage itself before sending it for further investigation.
- Still if complainant feels that he/she is being victimized due to his/her PIDPI Complaint, Complaint can apply to the Commission. CVC will take appropriate action for protection of the complainant.
- For further details, kindly visit https://cvc.gov.in/pidpi.html.

* * * *

पुरस्कृत पोस्टर
सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023

प्रथम – श्रीमती बबीता,
कार्यकारी सचिव (तकनीकी)

द्वितीय – श्रीमती पूजा आनंद,
कार्यकारी सचिव (वित्त)

द्वितीय – श्री निखिल राय,
प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

तृतीय – सुश्री नैंसी जैन,
कनिष्ठ कार्यालय सहायक (वित्त–ई.पी.एफ.)

Sh.E. Eber Emmanuel

Foreman, Millwright, GWS,
IGM - Hyderabad

THE POWER OF MINDFULNESS

Transforming Lives through Presence and Awareness

In today's fast-paced world, where stress and anxiety reign supreme, mindfulness has emerged as a powerful tool for transforming lives. By cultivating presence, awareness and acceptance, mindfulness empowers individuals to navigate life's challenges with greater ease, clarity, and purpose.

Through mindfulness practices such as meditation and deep breathing, individuals can quiet the mind, listen to their inner wisdom, and tap into their inner strength. By being fully present in each moment, mindfulness practitioner can break free from the shackles of past regrets and future worries, embracing the beauty and simplicity of the present.

The power of mindfulness lies in its ability to rewire the brain, shifting focus from negativity and stress to positivity and calmness. Regular mindfulness practice has been shown to reduce symptoms of anxiety and depression, improve sleep quality, and boost mood and overall well-being.

Moreover, mindfulness fosters emotional intelligence, enabling individuals to recognize, understand, and manage their emotions. This leads to more harmonious relationships, effective communication, and conflict resolution.

In addition, mindfulness cultivates self-awareness enables personal growth, self-acceptance, and self-compassion, leading to a more authentic and fulfilling life.

In conclusion, the power of mindfulness lies in its ability to transform lives through presence, awareness and acceptance. By embracing mindfulness, individuals can reduce stress and anxiety, improve emotional intelligence, cultivate self-awareness, and live a more authentic and fulfilling live. As the world continues to evolve, mindfulness will remain a vital tool for navigating life's challenges with greater ease, clarity and purpose.

* * * * *

Gram Sabha Conducted by IGM, Noida at Rewari, Haryana

पुरस्कृत निबंध विजेता
सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023

प्रथम – श्री सचिन शर्मा,
कार्यालय सहायक

द्वितीय – श्रीमती रश्मि,
वरिष्ठ कार्यालय सहायक (रा.भा.)

तृतीय – श्री सचिन अग्रवाल,
कंपनी सचिव

श्री सचिन शर्मा

कार्यालय सहायक
निगम मुख्यालय, नई दिल्ली

पुरस्कृत निबंध–वर्ष 2023

भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें

"भ्रष्टाचार मुक्त भारत का, आओ करें निर्माण,
हक ना लुटे किसी का, अडिग रहे दीन–ईमान"

प्रस्तावनाः भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है– ऐसा आचरण जो किसी भी प्रकार से अनैतिक और अनुचित हो। भ्रष्टाचार न केवल हमारे निजी जीवन के लिए अभिशाप है अपितु राष्ट्र के विकास में भी बाधक है। भारत में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी फैल चुकी हैं कि शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा हो, जो इससे अछूता रहा हो। भ्रष्टाचार सत्ता पर बैठे लोगों द्वारा किया गया अनिष्ठ व्यवहार है जिसका प्रयोग निजी लाभ के लिए सार्वजनिक पद की प्रवृत्ति से होता है।

भारत में भ्रष्टाचार की स्थितिः हाल ही में 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' द्वारा भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023 जारी किया था। इस सूचकांक में अधिकांश देशों की स्थिति या तो स्थिर रही है या काफी हद तक खराब रही है।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की अध्यक्ष – डेलिया फरेरा ने कहा– 'भ्रष्टाचार ने हमारी दुनिया को एक खतरनाक जगह पर लाकर खड़ा कर दिया है।'

भारत ने भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023 में 39 अंक प्राप्त किये हैं। भारत की यह रैंकिंग दर्शाती है कि हमें इस दिशा में और अधिक कार्य करना है।

भ्रष्टाचार का विरोध कैसे करें: भ्रष्टाचार का विरोध करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है प्रत्येक व्यक्ति का सतर्क होना अर्थात जागरूकता।

सतर्कता की आवश्यकता: भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सभी प्रकार की गतिविधियों से सम्बन्धित सूचनाएँ प्राप्त करने का अधिकार है। कोई व्यक्ति जितना अपने अधिकारों के लिए सतर्क होगा, वह उतना ही समृद्ध होगा।

सतर्कता का अर्थ विशेष रूप से कमियों तथा सामान्य रूप से त्वरित प्रशासनिक कार्यवाही सुनिश्चित करना है। सतर्कता का आभाव अपव्यय, हानि तथा आर्थिक पतन का कारण बनता है। इसी सतर्कता के ऊपर मैं दो पक्तियां कहना चाहूंगा–

'एक कदम मैं चलू, एक कदम तू चल,
जाति, धर्म, पथ को भूलकर,
एक कदम चलकर तो देख
सतर्कता के उसूल पर।'

जवाबदेही को बढ़ावा देना: नैतिकता की मांग है कि व्यक्ति अपने कार्य तथा निर्णय की जिम्मेदारी ले तथा उसे अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित करें। जब व्यक्ति को नैतिक आदर्शों द्वारा निर्देशित किया जाता है तब उसके कार्यों में जवाबदेही की संभावना अधिक हो जाती है।

पारदर्शिता को बढ़ावा देना: पारदर्शिता एक प्रमुख नैतिक सिद्धांत है। इसके द्वारा व्यक्ति में ईमानदारी से कार्य करने की संभावना अधिक हो जाती है, जिसके कारण भ्रष्टाचार का पनपना मुश्किल हो जाता है।

भ्रष्टाचार के विरोध में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की भूमिका: भ्रष्टाचार के विरोध में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की अहम भूमिका होती है। भ्रष्टाचार को मिटाने तथा लोक प्रशासन में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम 2003 देश में लाया गया। इसी के तहत प्रत्येक वर्ष के अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के रूप में मनाया जाता है।

भारत में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी अधिक फैल चुकी हैं, जिसका एकमात्र निवारण सतर्कता ही है। एक बार गांधी जी ने अपने भाषण में कहा था– 'रिश्वत लेना अन्याय है। परन्तु आज के लोगों ने इसे एक अन्य आय बना दिया है।'

राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव: हम सभी को सकारात्मक सोच के साथ इसमें योगदान देना चाहिए। राष्ट्र है तो हम हैं। हमारा कर्तव्य भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र का निर्माण होना

चाहिए। इसके लिए आवश्यकता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने अधिकारों को पहचाने। कुछ गलत होता देख उसका विरोध करें। भारत ही एक ऐसा देश है जहाँ जनता का, जनता के लिए, जनता के द्वारा शासन चलता है।

राष्ट्र जैसे एक छोटे से शब्द में विशाल, असीमित तथा कर्तव्य बोध का सार समाहित है। हमें यह अनुभूति होनी चाहिए कि मैं ही राष्ट्र के विकास के लिए उपयुक्त व्यक्ति हूं। मेरे ही द्वारा किये गये कार्यों से राष्ट्र को विकास में सहयोग होगा। जब देश के प्रत्येक व्यक्ति के अन्तर्गत राष्ट्र के प्रति यह समर्पण भाव आ जायेगा तो यह निश्चय ही हमारे देश की प्रगति में सहायक सिद्ध होगा।

उपसंहारः भ्रष्टाचार वह कुरीति है जो समाज और देश दोनों के विकास में बाधा उत्पन्न करती है। अतः देश का प्रत्येक व्यक्ति यह दृढ़ निश्चय करें कि वह ना तो कभी गलत करेगा और ना ही कभी गलत होने देगा। तभी यह भारत कोहिनूर की भांति सर्वश्रेष्ठ पद पर चमकेगा। अंत में मैं, इन दो पक्तियों के साथ विश्राम देना चाहूंगाः

'एक स्वप्न देखा था कल रात,
न हो भ्रष्टाचार, राष्ट्र के प्रति हो समर्पित समाज,
सोने की चिड़िया बने, फिर से यह मेरा भारत देश आज'

* * * * *

देश की जनता कर रही पुकार,
बंद करो ये भ्रष्टाचार।

श्री आशीष कुमार खरे

पर्यवेक्षक (तकनीकी नियंत्रण)
बैंक नोट मुद्रणालय, देवास

कर्मचारी एवं सत्यनिष्ठा

किसी भी संगठन की प्रतिष्ठा एवं उन्नति में वहाँ के कर्मचारियों का प्रमुख योगदान होता है एवं उस संगठन की दिशा एवं दशा की पूर्ण जवाबदेही उसके कर्मचारी (प्रबंध तंत्र) की होती है। कर्मचारी, मानव संसाधन विभाग का अभिन्न अंग है जिसे निखारने एवं सवारने का जिम्मा प्रबंध तंत्र के साथ संबन्धित संस्थान के सहकर्मियों के कंधों पर रहता है।

प्रत्येक कर्मचारी किसी भी संस्थान का हिस्सा बनने से पहले बेरोजगार अथवा किसी अच्छे कार्य की तलाश में एक अभ्यर्थी होता है, जिसे किसी भी संस्थान के कार्य के बारे में लगभग कोई जानकारी नहीं होती है। एक ऐसा इंसान जो कि अपने निजी जीवन से आकर आपके संस्थान का हिस्सा बनने को आतुर है तथा वेतन के बदले आपके द्वारा सौंपे गए कार्य को करने को तत्पर है। अर्थात एक कर्मचारी शुरुआती चरणों में पूर्ण सत्यनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित होता है तथा अपना कार्य करता है।

महज कुछ ही दिनों में एक ऐसा कर्मचारी जो की अपना कार्य पूर्ण सत्यनिष्ठा से करने को आतुर था एक अलग ही रंग में क्यों नजर आने लगता है। यह एक ऐसा सवाल है जिसे प्रत्येक संस्थान के उच्च प्रबंध तंत्र एवं अधिकारियों को अपने आप से पूछना चाहिए।

* * * * *

Corruption Perception Index (CPI)

INDIA

Score	Rank
39/100	93/180

(2023)

Score change

-1 Since 2022

Scoring 180 countries around the world, the Corruption Perception Index is the leading global indicator of public sector corruption.

India has a score of 39 in the year 2023, with a change of -1 since 2022, meaning it ranks 93 out of 180 countries.

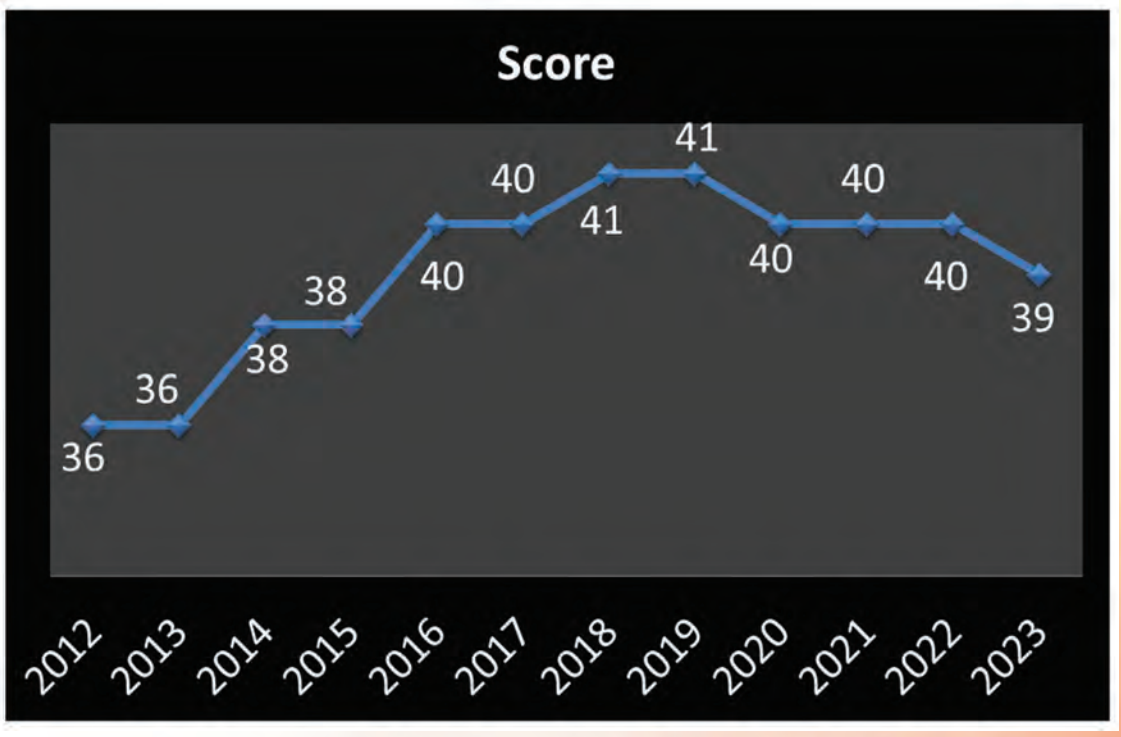

Source: *https://www.transparency.org/en/countries/india*

श्री अमन गुप्ता

पर्यवेक्षक (सहमुद्रण अनुभाग)
बैंक नोट मुद्रणालय, देवास

टीम वर्क की महत्वत्ता

टीम वर्क बड़े से बड़े कार्यों को आसान बना देता है, कठिन से कठिन कार्यों को सरल बना देता है। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है– उद्देश्य के अनुरूप टीम के सदस्यों का चुनाव, जिनमें उपयुक्त योग्यता, कुशलता, सामंजस्य, सहयोग आदि का उचित मेल है। यदि उद्देश्य को ध्यान में ना रख कर टीम के सदस्यों का चुनाव किया जाता है, तब उससे टीम तो बन जाती है, लेकिन उस टीम से कोई भी कार्य ढंग से नहीं होता साथ ही छोटे से छोटे व सरल कार्य भी सुचारु रूप से पूर्ण नहीं होते।

टीम यानी कुछ चुने हुए लोगों का ऐसा ग्रुप, जिनमें कार्य के अनुरूप योग्यता व कुशलता हो, जिनमें अपनी टीम के प्रति समर्पण हो, एकता हो, सामंजस्य हो, जिनमें मुख्य रूप से टीम लीडर का दिमाग सक्रिय हो और उसके अनुसार कार्य करने के लिये टीम के सदस्यों का साथ हो। यह भी जरूरी है कि टीम के सदस्य टीम के लक्ष्य के प्रति एकाग्र हों।

जैसे हमारे शरीर के विभिन्न अंग–अवयव जो भी कार्य करते हैं, वो मौलिक हैं, उनका कार्य कोई दूसरा नहीं कर सकता। जैसे देखने का कार्य आँखें करती है, कान या नाक नहीं। सुनने का कार्य कान करते है, आँख या मुँह नहीं। जिस तरह पांच उँगलियाँ बराबर व एक समान नहीं होती, उसी तरह किसी भी टीम के सदस्य एक जैसे नहीं होते। हर एक के स्वभाव व नज़रिये में बहुत फर्क होता है, लेकिन अलग–अलग स्वभाव व नज़रिये वाले लोगों को एक टीम में जोड़ना, उनसे कार्य करवाना, उनमें ताल–मेल बनाये रखना ही टीम लीडर का दायित्व होता है, लेकिन जब तक टीम के सदस्य अपने टीमलीडर का सहयोग नहीं करते, आपस में मिल–जुलकर नहीं रहते, तब तक टीम वर्क अधूरा रहता है। यदि हमारे अंग–अवयवों में गड़बड़ी आ जाए और वे

अपना कार्य ठीक ढंग से न करें, तो हम कोई भी कार्य ढंग से नहीं कर पाते, स्वयं को बीमार महसूस करते हैं और असहाय पाते हैं। इसी तरह से किसी टीम के अंदर यदि टीम के सदस्य आपस में भेदभाव रखने लगे या स्वयं को विशेष समझने लगे और स्वयं को दूसरों से अधिक योग्य साबित करने की कोशिश करने लगे, तो ऐसी टीम में कोई भी कार्य अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाएगा। ऐसी टीम अन्य टीमों से प्रतियोगिता में सुनिश्चित रूप से हार जाएगी।

बैंक नोट मुद्रणालय के समस्त अनुभाग एक टीम की तरह कार्य करके संस्था को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा अग्रसर रहते हैं। यह टीम वर्क का ही कमाल है जिससे बैंक नोट मुद्रणालय साल दर साल उत्पादन लक्ष्य पूर्ण करता रहा है। मुद्रण एवं परिसज्जा अनुभाग में सभी यंत्रों पर टीम वर्क से ही नित्य प्रतिदिन कार्य किया जाता है, उदाहरण के लिए सह–मुद्रण अनुभाग में एक यंत्र को चलाने के लिए 7 कर्मचारी मुद्रण अनुभाग के एवं 3 कर्मचारी नियंत्रण अनुभाग के पदस्थ किए जाते हैं। ये सभी कर्मचारी अपने–अपने कार्य क्षेत्र में श्रेष्ठ होते हैं। वे प्रतिदिन टीम–वर्क में ही कार्य करते हैं एवं उनका टीम–लीडर अनुभाग में पदस्थ पर्यवेक्षक व सह–टीम लीडर यंत्र पर पदस्थ वरिष्ठ प्रचालन होता है जो कि अपने सथियों के बीच में सामंजस्य के साथ कार्य करके प्रतिदिन उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करता है और समय–समय पर या जरूरत पड़ने पर कर्मशाला अनुभाग की मदद से यंत्रों का रख–रखाव भी करता है जिससे उत्पादन की वृद्धि होती है।

इसलिए किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को करने के लिए टीम बनाने के साथ–साथ उपयुक्त व योग्य टीमलीडर का चुनाव करना जरूरी है। एक ऐसा टीमलीडर, जो सबसे घुल–मिल जाए, जो सबको समझे, जो सबकी योग्यताओं से अवगत हो, जो टीम के सदस्यों की योग्यता के अनुरूप उन्हें कार्य दे, कार्यों का भली भांति समय–समय पर निरीक्षण करते रहे, जो अपनी टीम की प्रतिभा को निखारने व विकसित करने में सदैव प्रयासरत रहे, जो अपनी टीम की कमियों को स्वीकारे और उन्हें दूर करने हेतु प्रयास करे। इसके साथ ही अपनी टीम की खूबियों को पहचाने और उन्हें बढ़ाने हेतु टीम के सदस्यों को प्रोत्साहित भी करें। यदि टीम के सदस्यों में अच्छा तालमेल हो, उनमें आत्मविश्वास हो, उनमें योग्यता व कार्य कुशलता हो, तो ऐसी सामान्य नेतृत्व में भी विशेष कार्य करने में सफलता प्राप्त होती है और नई तरह की चुनौतियों को स्वीकारने के लिये भी हर समय तैयार रहती है। ऐसी टीम में यदि कोई सदस्य अवकाश भी लेता है तो भी टीम उसकी कमी को पूरा कर देती है।

जिस तरह हमारा परिवार रिश्तों से बना हुआ है और हम उसे बहुत महत्व देते हैं–उसी तरह से टीम के सदस्यों में भी एक भावनात्मक रिश्ता जुड़ जाता है, जो उन्हें टीम में बॉधे रखता है और टीम में अपना अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। देखा जाए तो टीम के सदस्य एक छोटे परिवार की तरह ही होते हैं, जिसमें सब मिल–जुलकर कार्य करते हैं और टीमलीडर का यह दायित्व होता है कि वह परिवार के मुखिया की तरह से अपनी टीम के सदस्यों का ध्यान रखे, उनकी भावनाओं का सम्मान करे, उनके सुख–दुख में शामिल होकर उन्हें भावनात्मक संबल देने का प्रयास करे। जरूरत पड़ने पर वह खुद भी उनके साथ जूझते हुए उनका आत्मविश्वास बढ़ाए। इतना ही नहीं, अनजाने में यदि कभी किसी से कोई भूल–चूक हो जाए, तो उसे माफ करे और उसे तनाव में न आने दे।

इस तरह से जो कार्य कई चरणों में किया जाता है, उसे यदि टीम वर्क से किया जाए तो वह कार्य चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, असंभव ही प्रतीत क्यों न होता हो, वह सरलता के साथ पूरा हो जाता है और उस कार्य के पूर्ण होने पर उसे देखकर आश्चर्य होता है कि यह कैसे पूरा हुआ होगा। टीम वर्क का ही प्रभाव है कि आज हमारे देश की सुरक्षा हेतु कई तरह की मिसाइलें बनाई जा चुकी हैं और यह टीम वर्क का ही कमाल है कि बैंक नोट मुद्रणालय के स्याही कारखाने में Colour Shift Ink (CSI) का उत्पादन टीम वर्क के साथ मिलकर इकाई स्तर पर शुरू किया गया है जिसके लिए स्याही कारखाने की पूरी टीम बधाई के पात्र हैं और उम्मीद करते हैं कि आगे भी बैंक नोट मुद्रणालय की समस्त टीम अपने–अपने क्षेत्र में अग्रसर होकर संस्था और देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

टीम वर्क वह ईंधन है जो आम लोगों का असामान्य परिणाम प्राप्त करने की अनुमति देता है

* * * * *

देश के विकास के लिए ये सबको बताना होगा,
हमें भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाना होगा ।

VIGILANCE AWARENESS

Q1: What is the theme of this year Vigilance Awareness Week, 2024?

Q2: Who is the current Chief Vigilance Commissioner of India?

Q3: What is the name of allowance given to officers under suspension?

Q4: What is the full form of PIDPI?

Q5: Which Ministry/Department controls CVC?

Q6: What is the difference between the penalty of Removal and Dismissal?

Q7: How many APVs are conducted by SPMCIL Vigilance Department in one financial year?

Q8: As per CVC guidelines, what action has to be taken on Anonymous/ Pseudonymous Complaints?

Q9: What are the score and Rank of India in Corruption Perception Index, 2023?

Q10: When is International Anti-Corruption Day is observed?

Q11: What is the theme of International Anti-Corruption Day, 2024?

Q12: When the first International Anti-Corruption Day was observed?

Answers on page 50

श्री जय कावरे

बुलियन लेखापाल
भारत सरकार टकसाल, मुंबई

स्मारक सिक्के

आज के इस लेख में, बात करेंगे स्मारक सिक्कों के बारे में। ज्यादातर लोग स्मारक सिक्कों की संकल्पना से अपरिचित हैं या परिचित ही नहीं है। इस कारण जब भी मार्केट में `1000, `500, `150 एवं `75 के सिक्कों की फोटो देखते हैं, तो भ्रमित हो जाते हैं और कहते हैं हमें तो पता ही नहीं मार्केट में `1000 और `500 के सिक्के भी हैं। इस कारणवश हम पहले स्मारक सिक्कों के बारे में जानते हैं।

भारत सरकार टकसाल, मुंबई, एस.पी.एम.सी.आई.एल. की एक इकाई है जो स्मारक सिक्कों, पदकों और वजन, माप तौल के मानकों का निर्माण करती है। इसके अलावा, इकाई में सोने और चांदी को परिष्कृत किया जाता है। इकाई धातु परीक्षण की प्रयोगशाला से सुसज्जित है। वर्ष 1829 में स्थापित भारत सरकार टकसाल–मुंबई भारत की सबसे पुरानी टकसाल में से एक है। यहाँ प्रचलित सिक्कों के साथ अप्रचलित सिक्कों का उत्पादन होता हैं जो सिक्के निकेल, कॉपर और जिंक जैसी धातुओं से बनाए जाते हैं। सिक्के बनाने के लिए कई तरह की धातुओं को एक साथ परतों में दबाया जाता है।

पहला स्मारक सिक्का 1892 में शिकागो में कोलंबिया प्रदर्शनी के लिए अधिकृत किया गया था। स्मारक सिक्का किसी विशेष घटना या मुद्दे की याद में जारी किया गया सिक्का होता है। जिस अवसर पर इसे जारी किया जाता हैं, उसके संदर्भ में एक विशिष्ट डिज़ाइन के साथ, इस श्रेणी के कई सिक्के केवल संग्रहकर्ता की वस्तु के रूप में काम आते हैं।

प्रश्नः स्मारक सिक्के कितने हैं?

वर्ष 1892 से अब तक 175 से ज़्यादा स्मारक सिक्कों को अधिकृत किया गया है। इसके आकर्षण को देखकर सरकार द्वारा अनेक प्रकार के स्मारक सिक्के अभी तक छापे गए हैं।

प्रश्नः स्मारक सिक्कों का वास्तविक मूल्य क्या है?

स्मारक सिक्के के मूल्य की गणना करते समय, हमारे विशेषज्ञ हमेशा स्थिति, प्रूफ, यूएनसी, जारी, ढलाई का वर्ष, धातु का प्रमाण, टकसाल चिह्न व आज का बुलियन मूल्य का विचार करते हैं। इसके आधार पर स्मारक सिक्कों का मूल्य टकसाल निर्धारित करती हैं ,जो उचित रहता हैं ।

प्रश्नः क्या स्मारक सिक्कों का अन्य कोई मूल्य होता है?

जब स्मारक सिक्कों के मूल्य की बात आती है, तो कोई कठोर नियम लागू नहीं होता, यदि कोई स्मारक सिक्का दुर्लभ है तो उसका मूल्य उसके अंकित मूल्य से कहीं अधिक होगा। स्मारक सिक्के, उनकी सौंदर्यात्मक अपील या दुर्लभता मूल्य के कारण, संग्राहकों द्वारा विशेष रूप से मांगे जाते हैं। हालांकि, उपलब्धता की कमी के कारण स्मारक सिक्के शीघ्र ही संग्रहणीय वस्तु बन जाते हैं। तथ्य यह है कि वे वैध मुद्रा हैं और सीजीटी से मुक्त हैं, जिससे उनका मूल्य और बढ़ जाता है, तथा वे सिक्का संग्रहकों और निवेशकों दोनों के लिए आकर्षक बन जाते हैं। कुछ सिक्के बहुमूल्य धातुओं से तैयार किए जाते हैं, अक्सर बुलियन मूल्य से अधिक कीमत पर बेचे जाते हैं, भले ही वे बॉक्स में बंद हों और उनके साथ प्रामाणिकता का प्रमाण पत्र भी लगा हो।

प्रश्नः भारत में स्मारक सिक्कों का महत्व क्या हैं? उपयोग क्या है? स्मारक सिक्के रखना चाहिए? क्या मुझे स्मारक सिक्के खरीदना चाहिए?

मेरे अनुभव में, एक स्मारक सिक्के का मूल्य आमतौर पर इस तथ्य में निहित होता है, कि यह एक संग्रहणीय वस्तु है। यदि यह दुर्लभ है, तो संभवतः इसका मूल्य इसके अंकित मूल्य से कहीं अधिक होगा। स्मारक सिक्के अपनी सौंदर्य अपील या दुर्लभता मूल्य के लिए कलक्टरों द्वारा माँगें और संजोए जाते हैं। स्मारक सिक्के प्राप्त करना एक हद तक व्यक्तिगत संतुष्टि प्रदान कर सकता है। आखिरकार, वे प्रदर्शन के लिए एक आकर्षक वस्तु है। इस कारण किसी समय के अनुसार उसका मूल्य निर्धारित हो सकता है।

स्मारक सिक्के वे होते हैं जो किसी विशेष घटना को चिह्नित करने या किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को सम्मानित करने के लिए जारी किए जाते हैं। उदाहरण के लिए वर्षगांठ, संधियों या व्यक्तित्वों का जन्मदिन मनाने के लिए। स्मारक सिक्के दो प्रकार के होते हैं– प्रचलित सिक्के, जिन्हें हम मुद्रा के रूप में उपयोग लाते हैं, और

अप्रचलित/यूएनसी, इसमें भी दो प्रकार होते हैं यूएनसी व प्रूफ जो संग्रह के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। स्मारक सिक्के केवल एक बार ढाले जाते हैं और फिर कभी नहीं, इसलिए उनका मूल्य समय व धातु की क़ीमतों के साथ बढ़ सकता है। आम तौर पर स्मारक सिक्को में 50% चाँदी होती हैं।

आइए कुछ सवाल–जवाब के आधार पर स्मारक सिक्कों का विवेचन करते हैं।

प्रश्नः स्मारिका के सिक्के कैसे बनाए जाते हैं?

टकसाल में स्मारक सिक्कों का एक विशेष विभाग हैं, इन सिक्कों में चाँदी के साथ अन्य धातु रहती हैं, जिनको धातु परीक्षण विभाग द्वारा परखने के बाद उपयोग में लाया जाता हैं। आकार देने और उन्हें स्मृति चिह्न के रूप में पुनः डिज़ाइन करने के लिए अत्यधिक दबाव का उपयोग होता हैं जिस कारण सामान्य सिक्कों से अलग व आकर्षित होते हैं।

प्रश्नः प्रूफ़/Proof और अप्रचलित/UNC स्मारक सिक्कों के बीच क्या अंतर है?

प्रूफ़ सिक्कों को ढलाई की प्रक्रिया की शुरुआत में दो बार ढाला जाता है, इसलिए वे असाधारण रूप से दर्पण जैसे होते हैं, चमकते हैं और यूएनसी की तुलना में दुर्लभ होते हैं। दूसरी ओर, यूएनसी सिक्के बड़ी मात्रा में बनाए जाते हैं। और यूएनसी में चमक कम होती हैं, सिक्कों के ऊपरी परत पर वैसे लिखा रहता हैं की वह यूएनसी हैं या प्रूफ।

प्रश्नः स्मारक सिक्के कैसे खरीदें?

आप स्मारक सिक्के खरीदना चाहते हैं, तो SPMCIL की वेबसाइट पर जाएं। वेबसाइट पर उपलब्ध सिक्के सूचीबद्ध है। इसके अलावा मुंबई मिंट में स्मारक सिक्कों का बिक्री केंद्र हैं जहाँ आप स्वयं सिक्के खरीद सकते हैं जिसका पता हैं–

भारत सरकार टकसाल,
शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई, महाराष्ट्र – 400001 (भारत)
दूरभाषः 91–22–22663199/22662555 Ext. 132/156
ई–मेलः igm-mumbai@spmcil.com,
वेबः https://igmmumbai.spmcil.com

प्रश्नः क्या स्मारक सिक्के खर्च किए जा सकते हैं?

स्मारक सिक्के कानूनी निविदा हैं, लेकिन इन्हें आम प्रचलन के लिए नहीं ढाला

गया है। इस कारण आप चलन में इन्हें खर्च नहीं कर सकते या इनसे किसी प्रकार का व्यवहार नहीं कर सकते।

प्रश्नः क्या स्मारक सिक्के एक अच्छा निवेश हैं?

स्मारक सिक्के, जो आमतौर पर सोने या चांदी से बने होते हैं, एक कीमती धातु के रूप में आंतरिक मूल्य रखते हैं। समय के साथ, यह मूल्य अक्सर बढ़ जाता है। निवेश के नज़रिए से, वे हमेशा बढ़िया मूल्य नहीं रखते। कभी–कभी उनका मूल्य बढ़ जाता है, लेकिन अक्सर ऐसा बोल नहीं सकते।

इस कारण ज्यादातर लोग भ्रमित रहते हैं की मुद्रा मूल्य `150 का सिक्का `3000 – `3500 में कैसे? सिक्का मूल्यांकनकर्ता के आधार पर अधिकांश आधुनिक स्मारकों का मूल्य उनमें मौजूद चांदी, जिंक, निकेल व सोने के हिसाब से तय किया जाता है, जो आम तौर पर अंकित मूल्य से कहीं ज़्यादा होता है। यह बात समझने के बाद ही, आपका स्मारक सिक्कों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 के पोस्टर की झलकी

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 की झलकियाँ

शपथ समारोह

निबंध लेखन प्रतियोगिता

निगम मुख्यालय, दिल्ली

पोस्टर प्रतियोगिता

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

शपथ समारोह

निबंध लेखन प्रतियोगिता

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिक

रंगोली प्रतियोगिता

विक्रेता बैठक

शपथ समारोह

निबंध लेखन प्रतियोगिता

चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नाशिक

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

विक्रेता बैठक

शपथ समारोह

सार्वजनिक खरीद पर व्याख्यान

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास

भाषण प्रतियोगिता

विक्रेता बैठक

शपथ समारोह

पोस्टर प्रतियोगिता

प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद

रंगोली प्रतियोगिता

विक्रेता बैठक

शपथ समारोह

वाद–विवाद प्रतियोगिता

प्रतिभूति कागज़ कारखाना, नर्मदापुरम

संवेदीकरण कार्यक्रम

विक्रेता बैठक

निबंध लेखन प्रतियोगिता

पोस्टर प्रतियोगिता

भारत सरकार
टकसाल, कोलकाता

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

विक्रेता बैठक

शपथ समारोह

निबंध लेखन प्रतियोगिता

भारत सरकार
टकसाल, मुंबई

रंगोली प्रतियोगिता

विक्रेता बैठक

शपथ समारोह

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

भारत सरकार
टकसाल, हैदराबाद

भाषण प्रतियोगिता

विक्रेता बैठक

शपथ समारोह

दीप प्रज्वलन

भारत सरकार
टकसाल, नोएडा

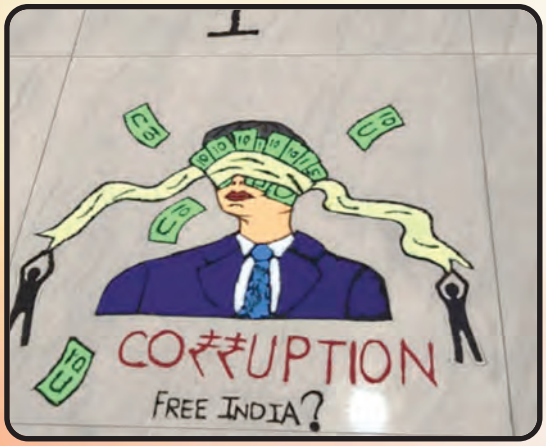

रंगोली प्रतियोगिता

निबंध लेखन प्रतियोगिता

ANSWERS

Ans 1: Culture of Integrity for Nation's Prosperity.

Ans 2: Sh.Praveen Kumar Srivastava, an IAS officer of Assam-Meghalaya Cadre of 1988 batch. He took oath as Central Vigilance Commissioner on 29.05.2023.

Ans 3: Subsistence Allowance.

Ans 4: Public Interest Disclosure and Protection of Informer.

Ans 5: CVC is not controlled by any Ministry

Ans 6: In removal, further govt. employment can be taken whereas in Dismissal, it is not possible.

Ans 7: 13 (1 for CSD, 1 in paper mill, 1 each in all four presses, 1 each in all four Mint for Base Metal and 1 each in three Mints – Kolkata, Mumbai & Hyderabad for Precious metal).

Ans 8: To be closed/ No action.

Ans 9: Score: 39/100, Rank: 93/180.

Ans 10: 9 December.

Ans 11: Engage in Transparency.

Ans 12: On December 9, 2005.

*****

श्रीमती समप्रीत कौर

वरिष्ठ कार्यालय सहायक (सतर्कता)
निगम मुख्यालय, नई दिल्ली

भ्रष्टाचार की कहानी

भ्रष्टाचार अर्थात भ्रष्ट + आचार। भ्रष्ट यानी बुरा या बिगड़ा हुआ तथा आचार का मतलब है आचरण। अर्थात भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है वह आचरण जो किसी प्रकार से अनैतिक और अनुचित हो। जब कोई व्यक्ति न्याय व्यवस्था के मान्य नियमों के विरुद्ध जा कर अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए गलत आचरण करने लगता है तो वह व्यक्ति भ्रष्टाचारी कहलाता है।

भ्रष्टाचार आज से नहीं बहुत समय से हमारे देश में अपनी जड़ें फैला रहा है, जिसका पता हमारी पुरानी लोक कथाओं में भी मिलता है। अकबर – बीरबल की ऐसी ही एक कथा, 'भ्रष्ट कर्मचारी'।

अकबर बादशाह का दरबार लगा हुआ था। दरबारी अपने–अपने स्थानों पर बैठे हुए थे। बीरबल का आसन अलग से दिखाई दे रहा था। तभी दो सिपाही एक आदमी को लेकर हाजिर हुए। उनमें से एक ने बताया, जहाँपनाह! इस आदमी को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है।

अकबर ने पूछा, इस आदमी को किस काम पर लगाया था?

जहाँपनाह! यह अनाज के गोदाम में काम करता है। सिपाही ने बताया।

बादशाह अकबर ने उसे हवालात में बंद करने का आदेश दिया और बीरबल से बोले, बीरबल, तुम्हारी क्या राय है! क्या इंसान को उसका पद भ्रष्टाचारी बना देता है?

बीरबल ने निवेदन किया, जहाँपनाह! मैं ऐसा नहीं समझता। मेरा विचार है कि भ्रष्टाचारी इंसान चाहे किसी भी पद पर हो, वह रिश्वत लेने का रास्ता निकाल ही लेता है।

तभी एक दरबारी ने खड़े होकर कहा, गुस्ताखी माफ हो जहाँपनाह! मैं बीरबल की बात से सहमत नहीं हूँ। ऐसे सैकड़ों काम है जहाँपनाह, जिन्हें करते हुए रिश्वत लेना संभव नहीं है।

बीरबल ने उस दरबारी से पूछा, पर एक–आध नाम तो बताइए वह कौन–सा काम है?

दरबारी बोला, जैसे। ..... जहाँपनाह जिसे गिरफ्तार किया गया है, उसे यमुना के किनारे बैठकर लहरें गिनने का काम सौंप दीजिए। मेरा दावा है, इस काम को करते हुए वह बिलकुल ही रिश्वत नहीं ले सकेगा।

इस पर बीरबल ने कहा, जहाँपनाह! कोई भ्रष्ट कर्मचारी सुधर जाए तो अच्छा ही है। किन्तु मुझे नहीं लगता, यह तरकीब कुछ काम करेगी।

दरबारी ने जोर देते हुए कहा, जरूर काम करेगी। आज़माकर तो देखिए।

बादशाह अकबर ने पूरी बात ध्यान से सुनी और उस कर्मचारी को नए काम पर लगा दिया।

वह कर्मचारी सुबह से शाम तक युमना के किनारे पर बैठा रहता और यमुना में उठने वाली लहरों की गिनती करता रहता। धीरे–धीरे एक सप्ताह बीत गया। एक दिन दरबारी ने बीरबल से पूछा, 'बीरबल, सात दिन बीत गए हैं। अब तक उस आदमी के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली।'

बीरबल ने धीरे से 'हाँ' कहा और चुप हो गए। किंतु उन्हें विश्वास नहीं था कि वह आदमी सुधर गया होगा। उन्होंने बादशाह अकबर से निवेदन किया, जहाँपनाह! क्यों न, वहाँ चलकर खुद देखा जाए।'

अकबर ने कहा, 'हाँ बीरबल, कल सुबह हम वहाँ खुद जाएँगे।'

दूसरे दिन बीरबल और बादशाह अकबर ने व्यापारी का वेश बनाया। उन्होंने एक नाव ली और यमुना के किनारे पर चल दिए। वह कर्मचारी यमुना के किनारे बैठकर अपने रजिस्टर में कुछ लिख रहा था। तभी बीरबल की नाव किनारे के पास पहुँची। कर्मचारी वहीं से चिल्लाया, 'ऐ, तुम लोग क्या कर रहे हो?'

व्यापारी बने हुए बीरबल ने कहा, 'भैया, हम अपनी नाव चला रहे हैं। आपको कोई

परेशानी हुई क्या?' वह आदमी वहीं से चिल्लाया, 'क्या तुम्हें पता नहीं है कि बादशाह सलामत ने मुझे यमुना की लहरों का हिसाब रखने के लिए नियुक्त किया है। तुमने मेरा सारा हिसाब गड़बड़ कर दिया। तुम्हें इसकी सजा मिलेगी।

बीरबल बोले, 'सचमुच हम से भूल हो गई है। हम माफी माँगते है।' कर्मचारी बोला, 'मैं ऐसे माफ नहीं कर सकता। हाँ, अगर तुम लोग पचास अशर्फियाँ दो तो माफ कर सकता हूँ।'

'यह तो बहुत ज्यादा हैं भैया। कुछ तो कम करो।' बीरबल बोले।

'नहीं। इससे कम पर समझौता नहीं हो सकता।' कर्मचारी बोला।

तभी व्यापारी के कपड़े पहने बादशाह अकबर वहाँ आ गए। उन्होंने वहीं से कहा, 'नहीं, हम पचास की जगह सौ देंगे। लेकिन अशर्फियाँ नहीं। सौ कोड़े।' कर्मचारी ने ध्यान से व्यापारी की तरफ देखा। अब उसे अपनी भूल का पता चला। वह बादशाह के पैरों में गिर पड़ा और बोला, 'माफ करें, जहाँपनाह! मैं आपको पहचान न सका।'

बादशाह ने बीरबल की ओर देखा और कहा, 'तुम ठीक कहते थे, बीरबल! कोई भी काम हो, भ्रष्ट अफसर उसमें पैसा ऐंठने का मौका निकाल ही लेता है।'

'जी जहाँपनाह! आप ठीक कहते हैं।' बीरबल ने धीरे से कहा और चुप हो गए।

स्रोतः

https://hindi.webdunia.com/

https://hindistory.net/

* * * * *

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 की पोस्टरस् की झलकियां

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2023 के दौरान की गई बाहरी गतिविधियां

ग्राम सभा

भा.प्र.मु.–नासिक द्वारा अकरेले गांव में आयोजित ग्राम सभा

च.प.मु.–नाशिक द्वारा पिंपरी गांव में आयोजित ग्राम सभा

वॉकथॉन / रैली

प्र.का.का.–नर्मदापुरम द्वारा के.वी. में आयोजित सतर्कता रैली

भा.स.ट.–नोएडा द्वारा एन.एस.टी.आई. तक आयोजित वॉकथॉन

प्र.का.का.–नर्मदापुरम द्वारा एन.वी.एम. कॉलेज में आयोजित सतर्कता रैली

स्कूलों में करवाई गई प्रतियोगिताएं

भा.प्र.मु.–नाशिक द्वारा के.एन.केला स्कूल में आयोजित निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता

भा.प्र.मु.–नाशिक द्वारा केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता

च.प.मु.–नाशिक द्वारा केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता

च.प.मु.–नाशिक द्वारा क्लिफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

बै.नो.मु.–देवास द्वारा फेथ फाउंडेशन में आयोजित निबंध प्रतियोगिता

प्र.मु.मु–हैदराबाद द्वारा स्कूल में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

स्कूलों में करवाई गई प्रतियोगिताएं

प्र.का.का.–नर्मदापुरम द्वारा स्कूल में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

भा.स.ट.–कोलकाता द्वारा बज मेमोरियल स्कूल में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

भा.स.ट.– मुंबई द्वारा कोलाबा स्कूल में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

भा.स.ट.–हैदराबाद द्वारा जिला परिषद स्कूल में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

निगम मुख्यालय द्वारा अटल आदर्श विद्यालय में आयोजित पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता

सतर्कता विभाग से प्रत्यावर्तन

श्री घनश्याम जरेड़ा
उप महाप्रबंधक (गुणवत्ता आश्वासन),
प्रतिभूति कागज़ कारखाना, नर्मदापुरम

श्री अखिल भगत,
उप महाप्रबंधक (तकनीकी प्रचालन)
प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद

श्री संदीप चौधरी
प्रबंधक (वित्त)
प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद

श्री मोहन किशोर सुरु
सहायक प्रबंधक (तकनीकी प्रचालन)
भारत सरकार टकसाल, मुंबई

श्री आर. पेद्दी राजु
वरिष्ठ पर्यवेक्षक (तकनीकी प्रचालन)
प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद

श्री प्रोमित कुमार चट्टोपाध्याय
पर्यवेक्षक (विद्युत),
भा.स.ट.–कोलकाता

श्री अंजन पाठक
पर्यवेक्षक (तकनीकी),
चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नाशिक

निगम मुख्यालय की सतर्कता विभाग की टीम

प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में दिनांक 26.09.2024 को सतर्कता विभाग के कार्यपालकों की 30 जून 2024 को समाप्त हुई तिमाही बैठक की झलकी

सतर्कता विभाग में नई प्रविष्टियां

श्री अमित यादव,
प्रबंधक (सतर्कता),
बै.नो.मु.–देवास

श्री ईश्वनाथ जिभे,
प्रबंधक (सतर्कता),
भा.प्र.मु./च.प.मु.–नाशिक

श्री जेनर कुमार सिन्हा,
प्रबंधक (सतर्कता),
भा.स.ट.–मुबंई

श्री प्रशांत बिष्ट
वरिष्ठ पर्यवेक्षक (सतर्कता),
निगम मुख्यालय

श्री पी. साईनाथ,
वरिष्ठ पर्यवेक्षक (सतर्कता)
प्र.मु.मु–हैदराबाद

श्री बिश्वनाथ मजुमदार,
वरिष्ठ पर्यवेक्षक (सतर्कता)
भा.स.ट.–कोलकाता

श्री शिव प्रसाद रंगा,
वरिष्ठ पर्यवेक्षक (सतर्कता),
भा.स.ट.–हैदराबाद

सुश्री रिचा कुमारी,
पर्यवेक्षक (सतर्कता),
भा.स.ट.–मुबंई

श्री कौस्तव सिकदर,
पर्यवेक्षक (सतर्कता),
च.प.मु.–नाशिक

सतर्कता विभाग की दूरभाष पुस्तिका

क्र	नाम	पदनाम	दूरभाष	ई–मेल
1	श्री विनय कुमार सिंह	मुख्य सतर्कता अधिकारी	011–43582260	cvo@spmcil.com
2	श्री हरीश कुमार	मुख्य सतर्कता अधिकारी के कार्यालय सचिव	011–43582260	harish.-hkumar@spmcil.com
3	श्री पार्थ प्रतिम दास	उप मुख्य सतर्कता अधिकारी	011–43582285	Deputy.CVO@spmcil.com
निगम मुख्यालय				
4	श्री अमिताभ शाह	संयुक्त महाप्रबंधक (सतर्कता)	011–43582204	vig.misc@spmcil.com
5	श्री बी. राजशेखर	उप महाप्रबंधक (सतर्कता)	011–43582219	vig.comp@spmcil.com
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिक				
6	श्री ईश्वनाथ जिभे (अतिरिक्त प्रभार)	प्रबंधक (सतर्कता)	0253–2402393	isp.vigilance@spmcil.com
चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नाशिक				
7	श्री ईश्वनाथ जिभे	प्रबंधक (सतर्कता)	0253–2405534	cnp.vigilance@spmcil.com
बैंक नोट मुद्रणालय, देवास				
9	श्री अमित यादव	प्रबंधक (सतर्कता)	07272–268215	bnpvigilance@spmcil.com
प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद				
10	श्री अंजनीप्पा डी (अतिरिक्त प्रभार)	प्रबंधक (सतर्कता)	040–23253629	spp.vigilance@spmcil.com

क्र	नाम	पदनाम	दूरभाष	ई–मेल
प्रतिभूति कागज़ कारखाना, नर्मदापुरम				
11	श्री गोविंद रघुवंशी	उप महाप्रबंधक (सतर्कता)	07574–279911	spm.vigilance@spmcil.com
भारत सरकार टकसाल, कोलकाता				
12	श्री पबित्रा कुमार पॉल	उप महाप्रबंधक (सतर्कता)	033–24015246	igmk.vigilance@spmcil.com
भारत सरकार टकसाल, मुंबई				
13	श्री जेनर कुमार सिन्हा	प्रबंधक (सतर्कता)	022–22703184	igmm.vigilance@spmcil.com
भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद				
14	श्री अंजनीप्पा डी	प्रबंधक (सतर्कता)	040–27268300	igmh.vigilance@spmcil.com
भारत सरकार टकसाल, नोएडा				
15	श्री अमिताभ शाह (अतिरिक्त प्रभार)	संयुक्त महाप्रबंधक (सतर्कता)	0120–4783111	igmn.vigilance@spmcil.com

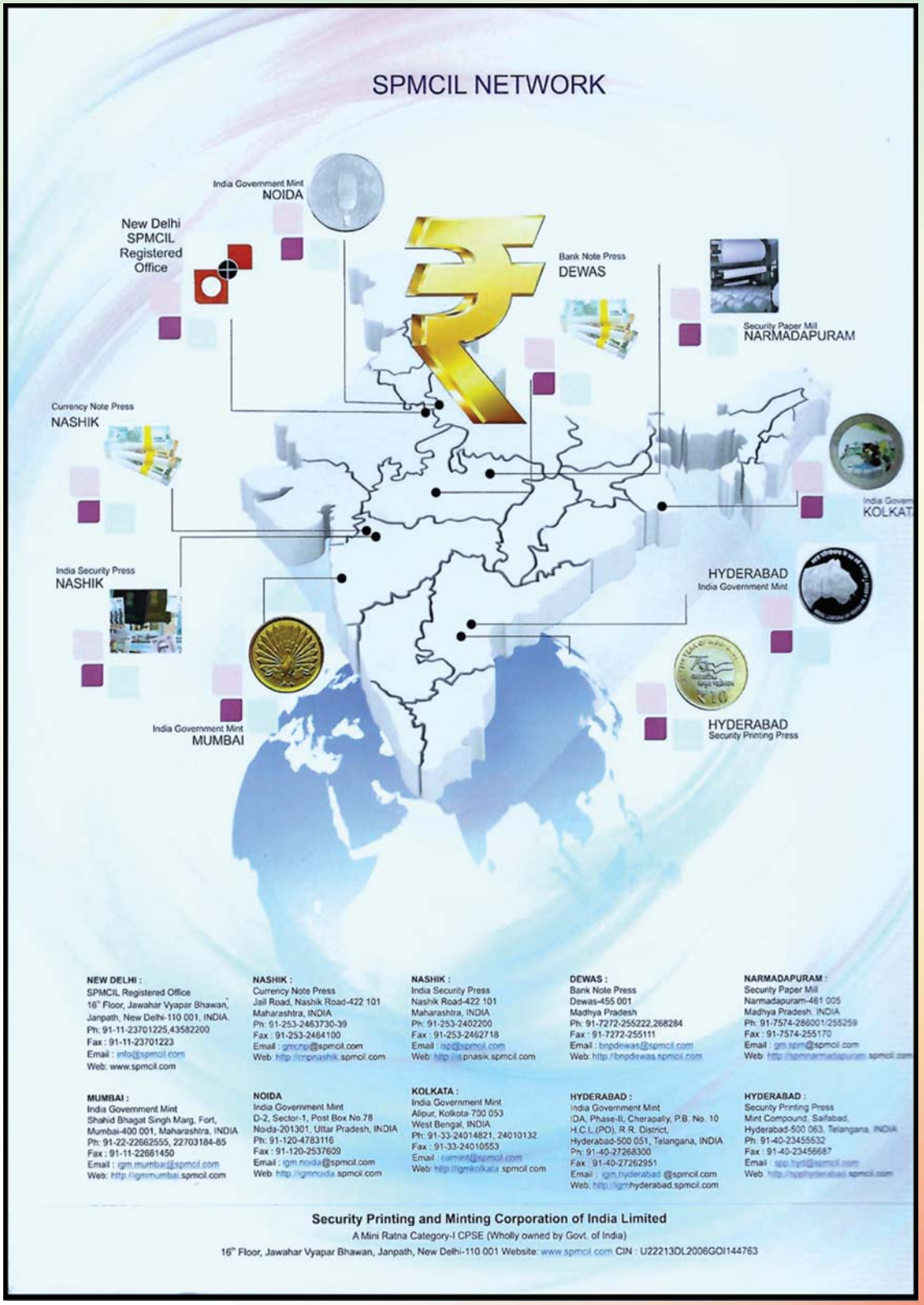
SPMCIL NETWORK
India Government Mint
NOIDA
New Delhi
SPMCIL
Registered
Office
Bank Note Press
DEWAS
Security Paper Mill
NARMADAPURAM
Currency Note Press
NASHIK
India Security Press
NASHIK
HYDERABAD
India Government Mint
India Government Mint
MUMBAI
HYDERABAD
Security Printing Press
NEW DELHI :
SPMCIL Registered Office
16" Floor, Jawahar Vyapar Bhawan,
Janpath, New Delhi-110 001, INDIA.
Ph: 91-11-23701225,43582200
Fax : 91-11-23701223
Email : info@spmcil.com
Web: www.spmcil.com
NASHIK :
Currency Note Press
Jail Road, Nashik Road-422 101
Maharashtra, INDIA
Ph: 91-253-2463730-39
Fax : 91-253-2464100
Email : gmcnp@spmcil.com
Web: http://cnpnashik.spmcil.com
NASHIK :
India Security Press
Nashik Road-422 101
Maharashtra, INDIA
Ph: 91-253-2402200
Fax : 91-253-2462718
Email : isp@spmcil.com
Web: http://ispnasik.spmcil.com
DEWAS :
Bank Note Press
Dewas-455 001
Madhya Pradesh
Ph: 91-7272-255222,268284
Fax : 91-7272-255111
Email : bnpdewas@spmcil.com
Web: http://bnpdewas.spmcil.com
NARMADAPURAM :
Security Paper Mill
Narmadapuram-461 005
Madhya Pradesh, INDIA
Ph: 91-7574-286001/255259
Fax : 91-7574-255170
Email : gm.spm@spmcil.com
Web: http://spmnarmadapuram.spmcil.com
MUMBAI :
India Government Mint
Shahid Bhagat Singh Marg, Fort,
Mumbai-400 001, Maharashtra, INDIA
Ph: 91-22-22662555, 22703184-85
Fax : 91-11-22661450
Email : igm.mumbai@spmcil.com
Web: http://gmmumbai.spmcil.com
NOIDA
India Government Mint
D-2, Sector-1, Post Box No.78
Noida-201301, Uttar Pradesh, INDIA
Ph: 91-120-4783116
Fax : 91-120-2537609
Email : igm.noida@spmcil.com
Web: http://gmnoida.spmcil.com
KOLKATA :
India Government Mint
Alipur, Kolkata-700 053
West Bengal, INDIA
Ph: 91-33-24014821, 24010132
Fax : 91-33-24010553
Email : calmint@spmcil.com
Web: http://gmkolkata.spmcil.com
HYDERABAD :
India Government Mint
IDA, Phase-II, Cherapally, P.B. No. 10
H.C.L.(PO), R.R. District,
Hyderabad-500 051, Telangana, INDIA
Ph: 91-40-27268300
Fax : 91-40-27262951
Email : igm.hyderabad @spmcil.com
Web: http://igmhyderabad.spmcil.com
HYDERABAD :
Security Printing Press
Mint Compound, Saifabad,
Hyderabad-500 063, Telangana, INDIA
Ph: 91-40-23455532
Fax : 91-40-23456687
Email : spp.hyd@spmcil.com
Web: http://spphyderabad.spmcil.com
Security Printing and Minting Corporation of India Limited
A Mini Ratna Category-I CPSE (Wholly owned by Govt. of India)
16th Floor, Jawahar Vyapar Bhawan, Janpath, New Delhi-110 001 Website: www.spmcil.com CIN : U22213DL2006GOI144763

हमारी इकाइयां

टकसाल

कागज कारखाना

मुद्रणालय

INDIAN GOLD & SILVER

COMMEMORATIVE COINS

SOUVENIR COINS

TOP THEMES

TRENDING COINS